RAJYA SABHA

Wednesday, ihe 25th July, 1984/
3 *Sravana,* 1906 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock, Mr. Chairman in the Chair

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

MR. CHAIRMAN: Questions Nos. 41 and 47 will be taken up together.

श्री रामानन्द यादव : दोनों क्वेश्चन अलग-अलग हैं, उनका बकाया का है, हमारा अधिग्रहण का है ।

श्री भगवत झा आजाद : इन्होंने ठीक कहा, दोनों अलग हैं, दोनों को अलग रहने दीजिये ।

देश की आठ चीनी मिलों का अधिग्रहण

*41. **श्री वीरेन्द्र वर्मा** : क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने देश की आठ चीनी मिलों का अधिग्रहण किया है ; यदि हां, तो कब ;

(ख) अधिग्रहण के क्या कारण हैं ;

(ग) मिलों के अधिग्रहण के बाद से सरकार ने उनमें से प्रत्येक पर कितनी-कितनी राशि खर्च की है ;

(घ) मिलों के अधिग्रहण से अब तक विभिन्न चीनी मिलों की ओर बकाया किसानों के गन्ने के मूल्य का वर्षवार ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) क्या यह सच है कि लक्सर चीनी मिल (सहारनपुर) की प्रति क्विंटल उत्पादन लागत बहुत अधिक है ; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भगवत झा आजाद) : (क) से (घ) तीन विवरण सं० 1, 2 और 3 सभा के पटल पर रखे जाते हैं ।

(ङ) विशेषतया वास्तव में गन्ने के अधिक मूल्य अदा करने, कम रिकवरी होने तथा इस तथ्य के कारण कि अधिग्रहण की गई अधिकांश मिलों की मशीनरी पुरानी है जो कि असंतुलित ढंग से चलती है, जिसके फलस्वरूप उनकी कार्यक्षमता में कमी हुई है और जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, के कारण इन मिलों की उत्पादन लागत अधिक है ।

विवरण–I

क्रम सं०	फैक्ट्री का नाम	अधिग्रहण की तारीख	अधिग्रहण के कारण
1.	दि अजुध्या शुगर मिल्स राजा-का-सहसपुर, जिला मुरादाबाद (उ० प्र०)	2.12.78	अनुमेय सीमा से अधिक गन्ने के बकाया होने के कारण
2.	दि जीजामाता सहकारी शक्कर कारखाना लि०, शंकरनगर, जिला बुल्डाना (महाराष्ट्र)	13.12.78	अनुमेय सीमा से अधिक गन्ने के बकाया होने के कारण
3.	श्री केशोरायपाटन सहकारी शुगर मिल्स लि०, केशोरायपाटन, जिला बूंदी (राजस्थान)	13.12.78	(1) अनुमेय सीमा से अधिक गन्ने के बकाया होने के कारण; और

क्रम सं०	फैक्ट्री का नाम	अधिग्रहण की तारीख	अधिग्रहण के कारण
			(2) नियत दिन तक उत्पादन शुरू करने में असफल रहने के कारण
4.	दि देवरिया शुगर मिल्स लि०, देवरिया, जिला देवरिया (उ०प्र०)	27.12.78	नियत दिन तक उत्पादन शुरू करने में असफल रहने के कारण
5.	श्री सीताराम शुगर कं० लि०, बतालपुर, जिला देवरिया (उ०प्र०)	27.12.78	नियत दिन तक उत्पादन शुरू करने में असफल रहने के कारण
6.	दि राय बहादुर नारायण सिंह शुगर मिल्स लि०, लक्सर, जिला सहारनपुर (उ० प्र०)	2.2.79	अनुमेय सीमा से अधिक गन्ने के बकाया होने के कारण
7.	दि कावेरी शुगर्स एण्ड केमिकल्स लि०, पेट्टावयालाई, जिला तिरुची (तमिलनाडु)	7.2.79	नियत दिन तक उत्पादन शुरू करने में असफल रहने के कारण
8.	दि सेकसरिया शुगर मिल्स लि०, पो० आ० बभनान जिला गोंडा (उ०प्र०)	13.3.79	अनुमेय सीमा से अधिक गन्ने के बकाया होने के कारण

विवरण–II

अधिग्रहण की गई चीनी फैक्ट्रियों को मंजूर किए गए ऋण :

(लाख रुपयों में)

क्रम सं०	फैक्ट्री का नाम	के दौरान मंजूर किया गया ऋण					
		1978–79	1979–80	1980–81	1982–83	अब तक	जोड़
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	बभनान .	40.00	90.00	48.00	20.00	110.81	308.81
2.	बतालपुर .	20.00	35.00	..	20.00	136.90	261.90
3.	कावेरी .	58.06	20.00	..	..	62.36	140.36
4.	देवरिया .	54.00	60.00	..	20.00	127.90	261.90
5.	जीजामाता	22.75	90.00	71.00	20.00	66.51	270.26

1	2	3	4	5	6	7	8
6.	केशोरायपाटन	34.24	40.00	22.50	30.00	21.27	148.01
7.	लक्सर	204.00	—	50.00	33.00	172.25	459.25
8.	राजाकासहसपुर	156.15	85.00	57.00	28.00	230.88	557.03
	जोड़:	589.14	470.00	248.50	171.00	928.58	2407.52

विवरण–III

30.6.1984 को केन्द्र द्वारा शासित फैक्ट्रियों के चालू करने सहित गन्ने के मूल्य के बकाया :

(लाख रुपयों में)

क्रम सं०	फैक्ट्री का नाम	के लिए गन्ने के मूल्य की बकाया राशि							
		1977–78	1978–79	1979–80	1980–81	1981–82	1982–83	1963–84	गन्ने की कुल बकाया राशि
1.	अजुध्या	9.06*	..	..	..	..	..	89.42	98.48
2.	देवरिया	—	..	..	..	..	..	46.57	46.57
3.	बतालपुर	—	..	..	..	..	..	59.53	59.53
4.	केशोराय-पाटन	—	..	..	..	..	..	शून्य	शून्य
5.	जीजा-माता	0.01	..	..	..	0.04	0.01	15.16	15.22
6.	कावेरी	0.32	..	..	..	..	..	1.54	1.86
7.	लक्सर	..	13.83†	..	..	..	..	179.23	193.06
8.	बभनान	0.11	..	..	..	..	..	39.75	39.86
	जोड़ :	9.50	13.83	..	..	0.04	0.01	431.20	544.58

* दावेदार के न मिलने के कारण लम्बित ।

† उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले की प्रतीक्षा करते हुए उच्च न्यायालय के निर्णय के कारण लम्बित ।

श्री भगवत झा आजाद : दूसरी भी पढ़ दूं।

श्री सभापति : जी हां ।

Expenditure on Management of taken-over Sugar Factories

*47. SHRIMATI AMARJIT KAUR: SHRI RAMANAND YADAV- Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) what is the total amount of money loaned or invested by the Central Government in the management of eight sugar factories taken-over by Government under the Temporary Taken-over of Sugar Undertaking Management Act, 1978; and

(b) what is amount of further loans being granted by Government to enable these factories to take up crushing operations of sugarcane during the season 1984-85 whether all these mills are running at a loss?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI BHAGWAT JHA AZAD): (a) The Central Government has given only loans to the eight sugar factories. The total amount of the loans is Rs. 24.0752 crores.

(b)' Further loans have not so far been granted to these factories for cane crushing operations which are to commence for the sugar year 1984-85. Most of the mills are running at a loss mainly because they have been required to buy cane at uneconomic prices fixed under the advice of the various State Governments as well as the fact that a majority of these factories have old and outdated plant and equipment which has worked at a lower efficiency.

श्री वीरेन्द्र वर्मा : आप ने तो अलग-अलग ले लिया था ।

श्री रामानन्द यादव : मुझे कोई एतराज नहीं है, दोनों को मिला कर रखा जाये ।

श्री वीरेन्द्र वर्मा : मान्यवर, मंत्री जी खुद भी चाहते थे कि अलग-अलग लिया जाये।

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Ramanand Yadav.

श्री सभापति : अब हो गया है ।

श्री वीरेन्द्र वर्मा : माननीय मंत्री जी के उत्तर से सम्बन्धित । मान्यवर, उत्तर प्रदेश की अयोध्या शुगर फैक्ट्री पर 9 लाख 6 हजार रुपये अवशेष हैं 1977–78 का । उत्तर में दिया गया है दावेदारों के न मिलने के कारण लम्बित । तो जब दावेदार नहीं हैं और हैं केन ग्रोवर्स का तो क्या केन ग्रोवर्स के जनरल इन्टरेस्ट में सरकार इस राशि को खर्च करने पर विचार करेगी ?

सातवीं शुगर फैक्ट्री लक्सर उत्तर प्रदेश की है, जिस पर 13 लाख 83 हजार रुपया सन 78–79 का अवशेष है । लिखा है उत्तर प्रदेश की सरकार के फैसले की प्रतीक्षा में । तो सन् 78–79 का उत्तर प्रदेश की सरकार का कौन सा ऐसा फैसला है जिसकी अभी तक प्रतीक्षा हो रही है और उसके फैसला न देने के कारण किसानों का 13 लाख 83 हजार रुपया अवशेष है, जिस पर प्रकाश डालने की कृपा करें ।

श्री भगवत झा आजाद : सभापति महोदय, अयोध्या शुगर मिल पर जो 9 लाख 6 हजार रुपया बकाया है वह इसलिये नहीं है कि हम देना नहीं चाहते, हमारे पास रुपये हैं ।

श्री सभापति : वह तो लिखा हुआ है ।

श्री वीरेन्द्र वर्मा : मंत्री जी ने कहा है कि 9 लाख 6 हजार रुपये इस लिये बकाया हैं क्योंकि दावेदार नहीं आते । तो मैंने यह पूछा है कि क्या मंत्री जी उस 9 लाख 6 हजार रुपये को जो किसानों का बकाया है उसे किसानों के इन्टरेस्ट में व्यय करने पर विचार करेंगे ?

श्री भगवत झा आजाद : सभापति महोदय, यह कहना मेरे लिये मुश्किल है कि मैं इस को खर्च कहूं जनरल इन्टरेस्ट में क्योंकि दावेदार नहीं है । कुछ कारण